सहजीवन (लिव-इन) अनुबंध

बिना विवाह साथ रहने वाले जोड़ों के लिए समझौता

भारतीय कानून के अनुसार

साथी A

पूरा नाम (साथी A)

गली और मकान नंबर (साथी A)

पिन कोड (साथी A)

शहर (साथी A)

फ़ोन या ई-मेल (साथी A)

साथी B

पूरा नाम (साथी B)

गली और मकान नंबर (साथी B)

पिन कोड (साथी B)

शहर (साथी B)

फ़ोन या ई-मेल (साथी B)

साथ रहना

साझा पता

इस तिथि से साथ रह रहे हैं

रहने के खर्च का बँटवारा (जैसे 50/50)

खर्च और खाता

- [ ] रोज़मर्रा के घरेलू खर्च साथ मिलकर उठाए जाते हैं।
- [ ] एक साझा घरेलू खाता है।

किराया, बिजली/पानी, बीमा, ख़रीदारी का बँटवारा

संपत्ति और ख़रीदारी

प्रत्येक साथी की अपनी संपत्ति, जो साथ रहने से पहले और दौरान अर्जित की गई, उसी की रहती है। साझा ख़रीदारी अलग से दर्ज की जाती है।

साथ खरीदी गई चीज़ें और प्रत्येक का स्वामित्व अंश

साथ का अंत

यदि साथ रहना समाप्त होता है, तो साथ खरीदी गई चीज़ें दर्ज अंश के अनुसार बाँटी जाती हैं; प्रत्येक की अपनी संपत्ति उसी की रहती है।

साथ के अंत के लिए अन्य शर्तें (वैकल्पिक)

सूचना: यह अनुबंध न विवाह का स्थान लेता है और न ही जहाँ कानून पंजीकरण/नोटरी माँगता है (जैसे वसीयत, अचल संपत्ति) वहाँ उसका। बड़े संपत्ति मामलों के लिए वकील या नोटरी से सलाह लें।

स्थान

दिनांक

स्थान

दिनांक

साथी A के हस्ताक्षर

साथी B के हस्ताक्षर